 **छोटी सी हमारी नदी**

Question 1:

इस कविता के पद में कौन-कौन से शब्द तुकांत हैं? उन्हें छाँटो।

Answer:

घार-पार, चालू-ढालू, नाम-घाम, रेती-देती, नहाना-छाना, रोला-टोला, उतराती-दन्नाती।

Question 2:

किस शब्द से पता चलता है कि नदी के किनारे जानवर भी जाते थे?

Answer:

‘पार जाते ढोर डंगर’ से पता चलता है कि नदी के किनारे जानवर भी

Question 3:

इस नदी के तट की क्या खासियत थी?

Answer:

इस नदी के तट ऊँचे थे।

Question 4. तुम्हारी परिचित नदी के किनारे क्या-क्या होता है?

Answer:

हमारी परिचित नदी के किनारे धोबी कपड़े धोते हैं। बच्चे और बड़े नहाते हैं। किनारों पर सब्जियाँ उगाई जाती हैं। कुछ मंदिर भी बने हैं, जहाँ किनारों पर बैठकर पूजा-पाठ भी होता है।

Question 5:

तुम जहाँ रहते हो, उसके आस-पास कौन-कौन सी नदियाँ हैं? वे कहाँ से निकलती हैं और कहाँ तक जाती हैं? पता करो।

Answer:

हमारे आस-पास यमुना नदी है। यह हिमालय से निकलती है और समुद्र में जा मिलती है।

Question 6:

इसी किताब में नदी का ज़िक्र और किस पाठ में हुआ है? नदी के बारे में क्या लिखा है?

Answer:

इस किताब में नदी का ज़िक्र ‘नदी का सफ़र’ पाठ में हुआ है। जिसमें नदी के उद्गम, प्रपात, मुहाने, गहरी घाटी, गति, उसकी सहायक नदियों आदि के बारे में बताया गया है।

Question 7.नदी में नहाने के तुम्हारे क्या अनुभव हैं?

Answer:

नदी में नहाने में बड़ा मजा आता है। शरीर में चुस्ती आती है। जोड़ खुल जाते हैं जिससे ताज़गी आ जाती है। थकान मिट जाती है।

Question 8:

क्या तुमने कभी मछली पकड़ी है? अपने अनुभव साथियों के साथ बाँटो।

Answer:

हाँ, हम नदी के किनारे पर गए और हमने वहाँ मछलियाँ पकड़ी। मछली पकड़ना बहुत अच्छा लगता है। हमने वहाँ तरह-तरह की मछलियाँ पकड़ी परन्तु वापस पानी में छोड़ दी क्योंकि उनको मारना हमें अच्छा नहीं लगता है |

Question 9:

उछल-उछल के नदी में नहाते कच्चे-बच्चे?

Answer:

मेढ़कों जैसे लगते हैं।